कानपुर, शुक्रवार, 02 जनवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 7, पृष्ठः 8+4
प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी
सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड व्यवस्था पर कलंक ... >Pg12
राजनीतिक खींचतान में उलझा नगर निगम > Pg03

मूल्यः 2 ₹

माघ मेले के लिए प्रयागराज तैयार

पहला पुण्य स्नान कल

स्नानार्थियों की भारी भीड़ की संभावना, आज से मेला क्षेत्र में नो-व्हीकल जोन लागू

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। पौष पूर्णिमा के साथ शुक्रवार रात आठ बजे से प्रयागराज में भव्य माघ मेला शुरू हो रहा है। पहले ही दिन भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने ट्रैफिक डायवर्जन लागू कर दिया है और मेला क्षेत्र को पूरी तरह नो-व्हीकल जोन घोषित कर दिया गया है। केवल एंबुलेंस व आपातकालीन वाहनों को प्रवेश मिलेगा।

संगम नोज तक पहुंचने और विभिन्न घाटों पर स्नान करने के लिए विशेष मार्ग तय किए गए हैं। पांटून पुलों पर एकतरफा यातायात लागू किया गया है। झूंसी से परेड आने वालों के लिए पांटून पुल नंबर 4 और 6 तथा परेड से झूंसी जाने के लिए पुल नंबर 3, 5 और 7 निर्धारित किए गए हैं। पांटून पुल संख्या 1 और 2 रिजर्व रखे गए हैं।

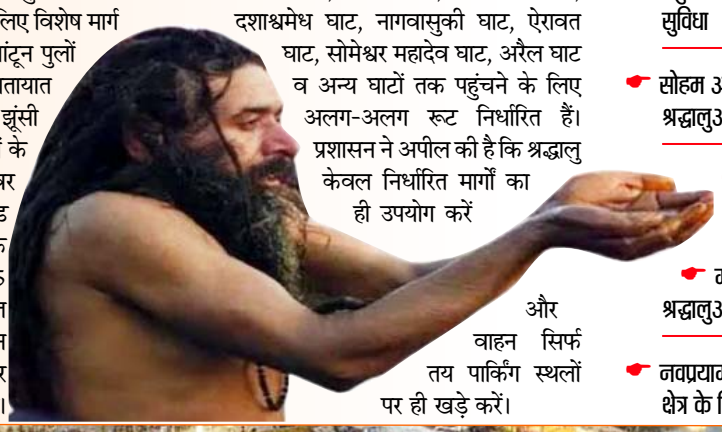

➪ पांटून पुलों पर एकतरफा रास्ते तय किए गए, पैदल श्रद्धालुओं के लिए विशेष मार्ग निर्धारित

श्रद्धालुओं के पैदल मार्ग भी तय कर दिए गए हैं। संगम स्नान घाट, हनुमान घाट, रामघाट, काली घाट, मोरी घाट, शिवाला घाट, दशाश्वमेध घाट, नागवासुकी घाट, ऐरावत घाट, सोमेश्वर महादेव घाट, अरैल घाट व अन्य घाटों तक पहुंचने के लिए अलग-अलग रूट निर्धारित हैं। प्रशासन ने अपील की है कि श्रद्धालु केवल निर्धारित मार्गों का ही उपयोग करें और वाहन सिर्फ तय पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें।

पार्किंग व्यवस्था: एक नजर में

- जसंगम नोज पर वाहन पार्किंग की अनुमति नहीं
- झूंसी से आने वालों के लिए निर्धारित पार्किंग स्थल
- कछार पार्किंग - नागवासुकी व समीपस्थ घाटों के लिए वापसी मार्ग
- महुआबाग पार्किंग - जीटी रोड होकर वापसी सुविधा
- सोहम आश्रम पार्किंग - ऐरावत घाट क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए
- देवरख कछार पार्किंग - सोमेश्वर महादेव घाट क्षेत्र के लिए
- गजिया पार्किंग - अरैल क्षेत्र से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए
- नवप्रयागम पार्किंग - अरैल व चक्रमाधव घाट क्षेत्र के लिए

यूपी के हाईवे, एक्सप्रेसवे पर

'निराश्रित पशु मुक्त' अभियान शुरू

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार अब एक्सप्रेसवे, हाईवे और राज्य राजमार्गों पर दुर्घटनाओं का कारण बन रहे निराश्रित पशुओं के खिलाफ बड़ा अभियान चलाने जा रही है। मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने सभी संबंधित विभागों को संयुक्त अभियान की कार्ययोजना तैयार कर इसे धरातल पर लागू करने के निर्देश जारी किए हैं।

➪ सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद राज्य सरकार ने तेज की कार्रवाई

➪ चरणबद्ध कार्रवाई, गश्ती दल और हेल्पलाइन से मिलेगी मदद

निर्देशों के अनुसार, चरणबद्ध तरीके से इन सड़कों से मवेशियों और अन्य आवारा पशुओं को हटाया जाएगा। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के अगस्त 2025 के आदेश के बाद तेज की गई है, जिसमें सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए थे।मुख्य सचिव ने साफ किया है कि नगर निकायों और संबंधित एजेंसियों के समन्वय से पूरे प्रदेश में यह अभियान लागू होगा।

विशेष गश्ती दल तैनात किए जाएंगे

- पकड़े गए निराश्रित पशुओं को सुरक्षित रखने के लिए गौशालाओं, शेल्टर होम और निर्धारित आश्रयों में रखा जाएगा। इसके लिए स्थान पहले ही चिन्हित किए जा रहे हैं। अभियान के दौरान विशेष गश्ती दल तैनात किए जाएंगे और एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया जाएगा, ताकि लोग सड़क पर दिखाई देने वाले निराश्रित पशुओं की सूचना आसानी से दे सकें। सरकार का उद्देश्य दुर्घटना जोखिम कम करते हुए सड़कों को सुरक्षित बनाना है।

चौधरी सुखराम सिंह के जन्मदिन पर सैकड़ों जरूरतमंदों को बांटे गए कंबल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। मेहरबान सिंह के पुरवा निवासी चौधरी सुखराम सिंह का चौहत्तरवां जन्मदिन आज दो जनवरी दो हजार छब्बीस को बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समाजसेवा को प्राथमिकता देते हुए सैकड़ों गरीब और जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए गए।जन्मदिन कार्यक्रम में कानपुर देहात से आए युवा समाजसेवी हरिओम यादव और जीतेंद्र यादव ने केक काटकर चौधरी सुखराम सिंह का जन्मदिन मनाया। साथ ही उन्हें अंग वस्त्र भेंट कर दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की गई। कार्यक्रम के दौरान ठंड से राहत पहुंचाने के उद्देश्य से कंबल वितरण किया गया, जिसकी स्थानीय लोगों ने सराहना की।इस अवसर पर युवा समाजसेवी हरिओम यादव, जीतेंद्र यादव, अंकित यादव, राधे यादव, विमल यादव, सालिक राम यादव, वीरू यादव, मनोज यादव, सुमित यादव सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी मौजूद रहे। सभी ने चौधरी सुखराम सिंह के सामाजिक योगदान की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल और सेवा भाव से परिपूर्ण जीवन की कामना की।

नाबालिग छात्रा गायब, धमकी भरे कॉल से परिवार सहमा

» स्कूल जाने के लिए घर से निकली 15 वर्षीय किशोरी गायब

फोन पर बोला आरोपी, रिपोर्ट की तो जान से मरवा दूंगा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

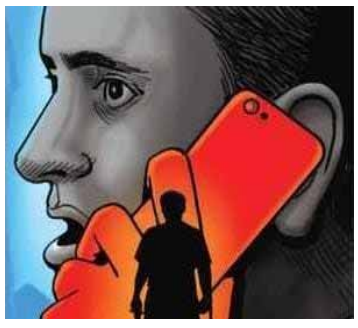

कानपुर। गोविंद नगर थाना क्षेत्र से नाबालिग छात्रा के लापता होने का मामला सामने आया है।

दबौली वेस्ट निवासी पीड़ित पिता ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 29 दिसंबर की सुबह आठ बजे उनकी 15 वर्षीय बेटी स्कूल जाने की बात कहकर घर से निकली, जिसके बाद से वह वापस नहीं लौटी।

परिजनों की तलाश के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिला तो मामला पुलिस तक पहुंचा।

परिजनों के अनुसार, दबौली वेस्ट बाबा की बगिया निवासी आकाश कटियार उनकी बेटी को फुसलाकर ले गया है। आरोप है कि जब पीड़ित ने आकाश के मोबाइल नंबर पर संपर्क किया तो उसने न केवल गाली-गलौज की, बल्कि धमकाते हुए कहा कि लड़की हमारे पास है, हमें खोजने की कोशिश मत करना और रिपोर्ट मत करना, नहीं तो जान से मरवा दूंगा। गोविंद नगर थाना प्रभारी रिकेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीम आरोपित युवक और लापता किशोरी की तलाश में जुटी है। साथ ही हर एंगल से जांच कर रही है।

भाभी की हत्या में आजीवन कारावास की सजा काट रहे बंदी की मौत

कानपुर। सचेंडी थानाक्षेत्र के कटरा भैसौर गांव में भाभी की हत्या में जिला कारागार में आजीवन कारावास काट रहे बंदी रामलाल (76) की हैलट में गुरुवार सुबह मौत हो गई। रामलाल ने 18 साल पहले तीन जनवरी 2007 को जमीन के विवाद में भाभी की हत्या की थी।जेल अधीक्षक बीडी पांडेय ने बताया कि रामलाल पैरालिसिस की बीमारी से ग्रसित थे। एक नवंबर को उसके सिर में दर्द और बीपी की समस्या होने पर हैलट में भर्ती कराया गया था। सीटी स्कैन होने के बाद रामलाल को एक दिसंबर तक जेल अस्पताल में इलाज मुहैया कराया गया।

एक दिसंबर को हैलट में भर्ती कराया गया था। गुरुवार सुबह 6.30 बजे इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। परिजनों को जानकारी देकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया गया। बंदी के पोस्टमॉर्टम की वीडियोग्राफी की गई जिसमें बीमारी से मौत की पुष्टि हुई है।

महिला सिपाही से लूट करने वाला एक लुटेरा गिरफ्तार साथी हुआ फरार

सीसामऊ में ड्यूटी से लौट रही सिपाही का पर्स छीना, पुलिस ने 300 से ज्यादा सीसीटीवी खंगाले

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर।सीसामऊ थाना क्षेत्र में रविवार तड़के ड्यूटी से लौट रही महिला सिपाही पिंकी पाल का पर्स लूटने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसका एक साथी अभी फरार है। गुरुवार को डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने लुटेरे मारूफ को पकड़ा है, जो कंघीमोहाल का रहने वाला और चप्पल कारखाने में काम करता है। पुलिस ने लूट में प्रयुक्त स्कूटर, 1400 रुपये, महिला सिपाही का आधार कार्ड और पहचान पत्र बरामद किया है।

घटना 28 दिसंबर की सुबह की है, जब महिला सिपाही ड्यूटी से घर लौट रही थीं। गांधी नगर इलाके में स्कूटर सवार दो बदमाश उनका पर्स लूटकर भाग गए थे। पर्स में 10 हजार रुपये, ब्लूटूथ डिवाइस और जरूरी दस्तावेज थे। पुलिस ने 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर वारदात का राजफाश किया। डीसीपी ने खुलासे वाली टीम को 25 हजार रुपये इनाम देने की घोषणा की है, जबकि फरार साथी की तलाश जारी है।

राजनीतिक खींचतान में उलझा नगर निगम

सत्तादल के पार्षदों द्वारा लगातार चल रहे घमासान से शहर का विकास पटरी से उतरता जा रहा है

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर निगम कानपुर इन दिनों विकास की बजाय सियासी खींचतान का अखाड़ा बनता जा रहा है। सत्ताधारी भाजपा के भीतर उभरे मतभेद अब खुलकर सामने आ गए हैं। 79 पार्षदों वाली भाजपा में छह पार्षद एक अलग सुर में दिख रहे हैं, जबकि शेष पार्षद दूसरे खेमे में खड़े नजर आ रहे हैं। 26 दिसंबर को हुई नगर निगम सदन की बैठक ने भाजपा की कथित संगठनात्मक एकजुटता और अनुशासन पर सवाल खड़े कर दिए।

मंगल भवन के मुद्दे से शुरू हुआ विवाद अब विकास कार्यों की आड़ में और गहराता दिख रहा है। सदन में हंगामे, आपसी आरोप-प्रत्यारोप और राष्ट्रगान के दौरान अनुशासनहीनता ने हालात को और गंभीर बना दिया। भाजपा पार्षद दल के नेता नवीन पंडित ने इस संबंध में महापौर प्रमिला पांडेय और भाजपा के बुंदेलखंड क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल को पत्र लिखकर वार्ड चार ग्वालटोली के अंकित मौर्या और वार्ड 37 अशोक नगर के पवन गुप्ता पर गंभीर आरोप लगाए। पत्र में कहा गया कि दोनों पार्षदों ने बार-बार मना करने के बावजूद अपने ही दल के पार्षदों से अभद्रता की और राष्ट्रगान के सम्मान की भी अनदेखी की।

इस पत्र के आधार पर महापौर प्रमिला पांडेय ने दोनों पार्षदों को आगामी चार सदन बैठकों से निलंबित कर दिया। निलंबन के बाद मामला और तूल पकड़ गया। निलंबित पार्षदों के साथ खड़े जायसवाल, लक्ष्मी कोरी, आलोक पांडेय और हरि स्वरूप तिवारी का कहना है कि उनके वार्डों में विकास कार्य ठप पड़े हैं, जबकि 15वें वित्त आयोग की धनराशि से अन्य वार्डों में काम कराए जा रहे हैं। उनका आरोप है कि विकास में भेदभाव किया जा रहा है।

दूसरी ओर, भाजपा के दूसरे गुट का कहना है कि यह हंगामा सुनियोजित है और इसके पीछे कुछ लोग जानबूझकर मतभेद बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। उनका दावा है कि मंगल भवन के बाद अब विकास को मुद्दा बनाकर पार्टी के भीतर दरार डालने की कोशिश की जा रही है और पूरे मामले का सच सामने लाया जाएगा।

हालांकि मामला संगठन तक पहुंच चुका है, लेकिन फिलहाल कोई भी खुलकर बोलने को तैयार नहीं है। विपक्ष इसे भाजपा का आंतरिक विवाद बताकर किनारा कर रहा है। महापौर प्रमिला पांडेय ने कहा कि पूरे घटनाक्रम की जानकारी संगठन को दे दी गई है। भाजपा उत्तर जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित ने बताया कि दोनों पक्षों से बातचीत की गई है और पार्षदों को संयम बरतने की सलाह दी गई है। साथ ही संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों को भी स्थिति से अवगत करा दिया गया है।

नगर निगम में जारी इस राजनीतिक घमासान का सीधा असर शहर के विकास कार्यों पर पड़ रहा है। सियासी खींचतान के बीच सड़क, नाली, सफाई और बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कई प्रस्ताव अधर में लटके हैं। सवाल यह है कि राजनीतिक वर्चस्व की इस लड़ाई में शहर के विकास की कीमत आखिर कब तक चुकानी पड़ेगी।

बंटी टैक्स का नारा चुनावी स्टंट था: अमिताभ बाजपेई

सपा विधायक अमिताभ बाजपेई एक बार फिर अपने दोअर्थी बयान को लेकर सियासी हलकों में सुर्खियों में हैं

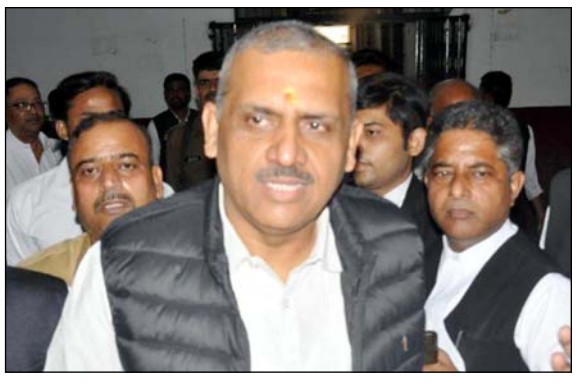

कानपुर। स्थानीय नगर निकाय के महापौर चुनाव के दौरान 'बंटी टैक्स' नारे को चर्चा में लाने वाले आर्यनगर से सपा विधायक अमिताभ बाजपेई एक बार फिर अपने दोअर्थी बयान को लेकर सियासी हलकों में सुर्खियों में हैं। उनके बयान ने राजनीतिक माहौल में नया तूफान खड़ा कर दिया है और पक्ष-विपक्ष अपने-अपने तरीके से इसका अर्थ निकाल रहे हैं।

विधायक अमिताभ बाजपेई ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जिन पार्षदों की फाइलें नहीं चल रही हैं, उन्हें पूजा करनी चाहिए, आराधना करनी चाहिए और चढ़ावा चढ़ाना चाहिए। ऐसा करने पर उन्हें प्रसाद अवश्य मिलेगा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मौजूदा सरकार भक्ति वाली सरकार है। इस पूरे बयान में उन्होंने ईमानदारी शब्द पर विशेष जोर दिया।

उनके इस बयान के बाद राजनीतिक खेमों में अलग-अलग व्याख्याएं सामने आ रही हैं। महापौर के पुत्र की भूमिका पर सवाल उठाने वाले इसे नगर निगम में कथित चढ़ावे और प्रभाव के खिलाफ कटाक्ष बता रहे हैं। उनका कहना है कि पूजा, आराधना और चढ़ावे की बात दरअसल नगर निगम में व्याप्त अव्यवस्थाओं की ओर इशारा है। वहीं, महापौर के पुत्र के समर्थन में खड़े लोग इसी बयान का वीडियो वायरल कर यह दावा कर रहे हैं कि विपक्ष के विधायक स्वयं नगर निगम में ईमानदारी से काम होने की बात स्वीकार कर रहे हैं।

इस पूरे मामले पर जब विधायक अमिताभ बाजपेई से बातचीत की गई तो उन्होंने अपने बयान पर कायम रहने की बात कही। उन्होंने दोबारा ईमानदारी शब्द को केंद्र में रखते हुए कहा कि यदि मां के काम में बेटा हाथ बंटा रहा है तो इसमें बुराई क्या है, यह तो अच्छी बात है।

प्रीमियम
शुद्ध प्लस
पान मसाला
शुद्ध प्लस
परिवार की ओर से
नव वर्ष
की हार्दिक
शुभकामनाएं
2026
सबकी ज़ुबां पर मैं हूँ
तुम में भी मैं हूँ
SHUDH PLUS
SILVER
PAN MASALA
PREMIUM PRODUCT
शुद्ध प्लस
पान मसाला
तुम में भी मैं हूँ
CHEWING OF PAN MASALA IS INJURIOUS TO HEALTH.
NOT FOR MINORS. NO TOBACCO. NO NICOTINE
TOLL FREE NO. : 1800 2120 99777

सम्पादकीय

गिग-वर्कर्स की मांगों को गंभीरता से लें

बाजार आने-जाने के झंझट से बचा लोगों के घरों में तुरत-फुरत जीवन उपयोगी सामान पहुंचाने वाले गिग-वर्कर्स की जटिल कार्यपरिस्थितियां और पसीने का मोल न मिलना, बेहद चिंता की बात है। अपना व परिवार का पोषण करने वाले ये युवा अकसर सरपट मोटरसाइकिल दौड़ाते और सीढ़ियां चढ़कर ऊंची मंजिलों में दरवाजों तक सामान पहुंचाते देखे जा सकते हैं। बेहद कम मेहनताने, कंपनी मालिकों के दबाव व ग्राहकों की उपेक्षा झेलते गिग वर्कर्स ने नये साल की पूर्व संध्या पर हड़ताल करके अपनी बदहाली को ही उजागर किया है। संवेदनशील कार्य परिस्थितियों और नौकरी की असुरक्षा के चलते गिग-वर्कर्स हड़ताल पर थे। हालांकि, नये साल पर काम के दबाव व पूरी तरह संगठित न होने के कारण इनकी हड़ताल का कुछ ही इलाकों में असर देखा गया। पूरे देश में सामान की आपूर्ति बाधित हुई हो, ऐसा भी कोई समाचार नहीं मिला है। लेकिन गिग-वर्कर्स की विषम कार्य-परिस्थितियों की ओर पूरे देश का ध्यान जरूर गया है। पिछले दिनों आप के राघव चड्ढा और राजद के मनोज कुमार झा जैसे सांसदों ने गिग वर्कर्स के शोषण का मुद्दा संसद में उठाया था। निस्संदेह, देश की गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन में अपनी क्षमता साबित की है। विडंबना है कि भारत युवाओं को देश का कहा जाता है, लेकिन हम उनकी आकांक्षाओं का रोजगार नहीं दे पा रहे हैं। दरअसल, गिग-वर्कर्स की प्रमुख मांग है कि उनके काम का बेहतर भुगतान हो और उनके लिये बेहतर कामकाजी परिस्थितियां बनायी जाएं। उनकी इस हड़ताल ने इन मुद्दों पर देश का ध्यान खींचा है। लेकिन देश के प्रमुख खाद्य वितरण करने वाली कंपनी ने 31 दिसंबर को इस हड़ताल के बावजूद ऑर्डर में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की। वहीं थके-हारे बाइकर्स अपनी अनगिनत शिकायतें व्यक्त करते रहे। दरअसल, विडंबना यह है कि खूब काम लेने के बावजूद गिग-वर्कर्स को पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी के दायरे से बाहर आजीविका कमाने वाले व्यक्तियों के रूप में परिभाषित किया जाता है।दरअसल, गिग-वर्कर्स को नई अर्थव्यवस्था में नियोक्ता एक कर्मचारी के रूप में नियुक्त करने के दायित्व से बचने का प्रयास करते हैं। लेकिन नियोक्ताओं की हायर व फायर की रणनीति के चलते, वे असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में काम करने को बाध्य होते हैं। इसके बावजूद वे आज शहरी जीवन व्यवस्था के लिये अभिन्न अंग बन गए हैं। लोगों की छोटी-छोटी जरूरतों के लिए दौड़ते रहते हैं। वे सामान दस मिनट तक दरवाजे पर पहुंचाने के दबाव में हांफते-भागते, मोटरसाइकिल दौड़ाते और सीढ़ियों पर सामान चढ़ाते अकसर नजर आते हैं। आम तौर पर उपभोक्ताओं का व्यवहार भी अच्छा नहीं होता। देरी होने पर इन्हें झिड़का जाता है। सामान में नुक्स निकालकर इन्हें दौड़ाया जाता है। आज भारत में इनकी संख्या सवा करोड़ से अधिक है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक इन कामगारों की संख्या दो करोड़ पैंतीस लाख तक हो सकती है। निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र की अनदेखी नहीं की जा सकती।

अदावत को दोस्ती में बदलने की कूटनीतिक पहल

पुष्परंजन

विश्लेषकों ने माना है, कि एस. जयशंकर को ढाका भेजने का फैसला कूटनीतिक परिपक्वता का परिचायक है। एस. जयशंकर ढाका जितने समय थे, उन्होंने मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से मिलने की ज़हमत नहीं उठाई। जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफीकुर रहमान ने... विश्लेषकों ने माना है, कि एस. जयशंकर को ढाका भेजने का फैसला कूटनीतिक परिपक्वता का परिचायक है। एस. जयशंकर ढाका जितने समय थे, उन्होंने मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से मिलने की ज़हमत नहीं उठाई। जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफीकुर रहमान ने भारतीय राजनयिकों के साथ मुलाक़ात की बात मानी है। यह ख़बर जंगल में आग की तरह फैली है। बांग्लादेश स्थित जमात-ए-इस्लामी को भरोसे में लेने की ज़रूरत और भारतीय विदेशमंत्री एस. जयशंकर का पूर्व प्रधानमंत्री ख़ालिदा ज़िया के जनाजे में शामिल होना, ये दो घटनायें सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस को असहज किये हुए है।

मोहम्मद यूनुस चुनाव तक बांग्लादेश में बतौर 'गेस्ट आर्टिस्ट' हैं, बाद के दिनों में वो राष्ट्रपति बनेंगे, या मार्गदर्शक मंडल में शामिल होंगे? यह सवाल अधर में लटका पड़ा है। रॉयटर्स के साथ एक इंटरव्यू में, जमात अमीर ने कहा कि जब मैं बीमार था, जैसे दूसरे देशों के राजनयिक मुझसे मिलने आए, वैसे ही दो भारतीय राजनयिक भी कुशल-क्षेम के वास्ते मेरे घर आए थे। मैंने उनसे वैसे ही बात की, जैसे दूसरों से की थी। जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफीकुर रहमान ने कहा, 'भारतीय राजनयिकों ने अनुरोध किया कि इस दौरे को सार्वजनिक न किया जाए। आगे भी दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय हितों से जुड़ी भविष्य की कोई भी बैठक की जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाएगी।' जमात प्रमुख शफीकुर रहमान ने पुष्टि की, कि मैंने अपनी बाईपास सर्जरी के बाद सितम्बर, 2025 की शुरुआत में एक भारतीय राजनयिक से मुलाकात की थी। अब सवाल यह है, कि क्या जमात लीडरशिप बीएनपी नेताओं के सम्बन्ध भारत के साथ सॉफ्ट करने में कोई भूमिका निभा रही है? यह भी एक क़िस्म की 'पोलिटिकल बाईपास सर्जरी' है, जिससे मुहम्मद यूनुस के रणनीतिकार अनजान थे। जमात ने आखिरी बार 2001 और 2006 के बीच बीएनपी के साथ एक जूनियर गठबंधन सहयोगी के रूप में सत्ता संभाली थी, और वह फिर से उसके साथ काम करने के लिए तैयार है। बाहर से यही दिख रहा था कि भारत विरोधी माहौल बनाने में जमात पाकिस्तान के इशारों पर यह सबकुछ कर रहा था, लेकिन अब वो क्यास कथा पलटती दिख रही है। बांग्लादेश में हिन्दू विरोधी माहौल से देश, और देश से बाहर किस-किस को फायदा मिलता है? इस बारे में डिप्लोमेट तो खुलकर बोलेंगे नहीं, लेकिन यह विश्लेषण का विषय है। बुधवार को, जिस तरह का हुजूम बेग़म ख़ालिदा ज़िया के जनाजे में दिखा, वो इस बात का संकेत है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) एक बार फिर सियासी पारी खेल सकती है। सबका यही अनुमान था कि चुनाव तक बांग्लादेश में जो पार्टियां मैदान में हैं, वो हिन्दुओं को निशाने पर लेते हुए, भारत विरोधी विष वमन करेंगी। लेकिन, किसी ने सोचा नहीं था कि इस बीच बीएनपी की सर्वोच्च नेता ख़ालिदा जिया को सिपुर्द-ए-खाक़ करने की सूरत बन आएगी, और भारतीय विदेशमंत्री शोक और दोस्ती का पैगाम लेकर ढाका जायेंगे। विश्लेषकों ने माना है, कि एस. जयशंकर को ढाका भेजने का फैसला कूटनीतिक परिपक्वता का परिचायक है। एस. जयशंकर ढाका जितने समय थे, उन्होंने मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से मिलने की ज़हमत नहीं उठाई। इससे साफ़ संदेश जा रहा था, कि भारत सरकार की दिलचस्पी देश के अस्थायी व्यस्थापक में कतई नहीं है। पीएम मोदी अदावत को दोस्ती में बदलने की कला में माहिर राजनेता हैं।

आपदाओं से उबरने की क्षमता में वृद्धि जरूरी

क्लाइमेट रेजिलियंस

वीरेन्द्र कुमार

जलवायु बदलाव के चलते मध्य हिमालय क्षेत्र में मौसमी अतिरेक से आपदाएं बार-बार आ रही हैं। जिससे प्रकृति, बुनियादी ढांचा व मानव जीवन प्रभावित हो रहा है। इससे जल्द उबरने को क्लाइमेट रेजिलियंस बढ़ाना महत्वपूर्ण है। गर्म होती धरा, उससे उपजते वैश्विक जलवायु बदलाव व आपदाएं आकस्मिक व अतिशय घातक होते जा रहे हैं। कृषि, परिवहन, पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा, निर्माण संरचना जैसे क्षेत्रों में इनका प्रतिगामी असर जैविक व भौतिक दोनों पर पड़ा है। इससे बना-बनाया ध्वस्त भी हो जाता है। फिर से सब कुछ सहेजना मुश्किल होता है। आकस्मिक आपदाओं की निरंतरता के बीच हर क्षेत्र में क्लाइमेट रेजिलियंस बढ़ाने का मुद्दा केन्द्र में आ गया है।मध्य हिमालय में जलवायु बदलाव के दो-तीन बड़े असर जाड़ों में भी वनों में आग, बादल विस्फोट, ग्लेशियर टूटने, ग्लेशियर झीलें बनने व ग्लेशियर पीछे खिसकने तथा अपनी मोटाई खोने के रूप में दिखते हैं। हिमस्खलन, भूस्खलन व दावानल की घटनायें बढ़ी हैं। मानव-वन्यजीव संघर्ष भी बढ़े हैं।

सालों से ऐसा हो रहा है कि एक आपदा के बाद संभल नहीं पाते, दूसरी आ जाती है। उत्तराखंड 2025 में भी भारी आपदाग्रस्त रहा। इनसे हुई क्षति की आपूर्ति तो दूर की बात, अभी कहीं-कहीं बीते दशक की आपदाओं में क्षतिग्रस्त कई पुल व सड़कें भी अब तक नहीं बनाई जा सकी हैं। जरूरी है जल्दी से जल्दी सब कुछ सामान्य हो। उत्तराखंड व हिमाचल जैसे राज्यों को क्लाइमेट रेजिलियंस पर काम करने

की आवश्यकता है। इसी परिप्रेक्ष्य में देहरादून में बीते 13 व 14 अक्तूबर को 'उत्तराखंड में जलवायु बदलाव रेजिलियंस पर मिलजुल कर कार्यवाही - राष्ट्रीय विचार विमर्श' आयोजित किया गया था। सहमति के बिंदुओं पर आगे बढ़ने की रणनीति तैयार की जा रही है। क्लाइमेट रेजिलियंस किसी भी प्रणाली व जैविक-अजैविक एकांशों की वह क्षमता है जिससे जलवायु बदलाव प्रेरित अतिवृष्टि,अतिताप, अतिशीत अति बवंडर व समुद्री तूफानों की घटनाओं के आघातों-व्यवधानों से उबरकर वह पहले जैसी भूमिका निर्वहन में सक्षम हो जाता है। विकास की निरंतरता के लिये खेती, जलापूर्ति, सीवरेज प्रणाली, सड़कों, परिवहन, भवन, पुल, संचार, स्वास्थ्य सुविधाओं के बुनियादी ढांचे क्लाइमेट रेजिलियंट होने चाहिये। खेती क्लाइमेट रेजिलियंट होगी तो किसान की आय व खाद्य सुरक्षा में अनिश्चितता कम होगी। सीवरेज व पेयजल व्यवस्था क्लाइमेट रेजिलियंट होंगे तो स्वास्थ्य समस्याएं कम होंगी। ऐसी ही समस्या है सेनिटेशन सततता की। अतिशय बारिश, भूस्खलन, बाढ़ व सूखे जैसी जलवायु आपदायें सेनिटेशन प्रणालियों पर गंभीर असर डाल रही हैं। ऐसे में शौचमुक्त क्षेत्रों में फिर खुले में शौच होना शुरू हो जाता है। आपदाओं में शौचालय प्रणालियों को अबाधित बनाये रखने के लिये यूनीसेफ अपने वाश स्टाफ को जलवायु बदलाव अनुकूलन रणनीति पर प्रशिक्षण दे रहा है। आजकल ई-गवर्नेंस व ई-बैंकिंग के साथ उद्योग, व्यवसाय, बैंकिंग व प्रशासकीय व्यवस्थाएं जुड़ी हैं तो क्लाइमेट रेजिलियंसी के मानक ये भी हैं कि बाढ़ आदि आपदा में यदि डाटा क्षतिग्रस्त हो जाएं तो उसकी रिकवरी यथाशीघ्र हो जाये।क्लाइमेट रेजिलियंस आपदा के बाद की स्थिति का विवेचन है। यदि हम प्रोएक्टिव हों तो पूर्व चेतावनियों से आपदाओं के जोखिम कम कर सकते हैं जैसे बाढ़ या चक्रवाती तूफानों में लोगों को तटों से हटा सकते हैं।

ग्लेशियर टूटने या उनमें झील बनने की संभावनाओं की मॉनिटरिंग संभव है। प्रकृति पर भी जलवायु बदलाव से ग्लोबल वार्मिंग और मौसमी अतिरेकों व अनिश्चितताओं के कुप्रभाव कम नहीं हैं। प्राकृतिक घटकों की रेजिलियंस पर भी फोकस की जरूरत है। प्रकृति की मदद करेंगे तो प्रकृति क्लाइमेट रेजिलियंस पाने में मदद करेगी। किन्तु पूरे विश्व में ही प्राकृतिक संसाधनों की रेजिलियंस में मानवीय कृत्यों से कमी आई है।

6 से शुरू होगी 2003 की वोटर लिस्ट से बाहर मतदाताओं की सुनवाई

एसडीएम ने बैठक बुलाकर अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

- सात केंद्रों पर होगी 21 हजार मतदाताओं की सुनवाई
- नौ अतिरिक्त अधिकारियों की हुई तैनाती

बिल्हौर (कानपुर)। मतदाता सूची से जुड़े मामलों के निस्तारण को लेकर उप जिलाधिकारी कार्यालय बिल्हौर में बुधवार को अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं एसडीएम बिल्हौर डॉ संजय दीक्षित ने की। प्रशिक्षण के दौरान भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार वर्ष 2003 की मतदाता सूची से अप्रमाणित रह गए मतदाताओं की प्रक्रिया पर चर्चा की गई। बताया गया कि ऐसे मतदाताओं को आयोग की ओर से नोटिस भेजी गई है, जिनकी सुनवाई आगामी 6 जनवरी से 28 फरवरी के बीच की जाएगी। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सुनवाई के समय आयोग द्वारा तय 13 दस्तावेजों में से ए, बी, सी और डी श्रेणी के स्व प्रमाणित दस्तावेज अनिवार्य रूप से प्राप्त किए जाएं। विधानसभा क्षेत्र बिल्हौर में लगभग 21 हजार मतदाता ऐसे हैं, जिनका न तो स्वयं का और न ही किसी पारिवारिक सदस्य का नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में दर्ज पाया गया है।

इन मामलों के निस्तारण के लिए सात सुनवाई केंद्र बनाए गए हैं। प्रत्येक केंद्र पर अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की तैनाती की गई है। कुल नौ अधिकारी रोजाना अपने निर्धारित केंद्रों पर उपस्थित रहकर मतदाताओं की सुनवाई करेंगे। बैठक के अंत में अधिकारियों ने आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप निष्पक्ष और समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने का भरोसा दिलाया। इस दौरान तहसीलदार अनुभव चंद्रा, बिल्हौर बीईओ रवि कुमार सिंह, बिल्हौर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य सुरजीत यादव समेत तहसील के एसआईआर कार्य में लगे अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सरकारी भूमि से हटाया गया अवैध कब्जा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर नगर)। तहसील बिल्हौर क्षेत्र के ग्राम सकरवा में सरकारी भूमि पर किए गए अवैध कब्जे के मामले में राजस्व प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई की है। अधिकारियों को मिली शिकायत के बाद तहसील प्रशासन हरकत में आया और मौके पर पहुंचकर अवैध कब्जा हटवाया गया।

अधिकारियों के निर्देश पर नायब तहसीलदार रंजीत यादव लेखपाल एवं राजस्व कर्मियों की टीम के साथ ग्राम सकरवा पहुंचे। जांच में पाया गया कि गांव निवासी जगवीर पुत्र जीवनलाल द्वारा सरकारी भूमि पर अवैध रूप से तीन शेड स्थापित कर कब्जा किया गया था। राजस्व अभिलेखों के अवलोकन के बाद कब्जे की पुष्टि होते ही नियमानुसार कार्रवाई शुरू की गई। राजस्व टीम ने मौके पर मौजूद लोगों के समक्ष तीनों शेड हटवाते हुए सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त कराया। इस दौरान किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति न उत्पन्न हो, इसके लिए आवश्यक सतर्कता भी बरती गई। कार्रवाई के बाद संबंधित व्यक्ति को सख्त हिदायत दी गई कि भविष्य में दोबारा सरकारी भूमि पर कब्जा किया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नए साल पर एकीकृत एडवोकेट बार ने लिया सशक्त संगठन बनाने का संकल्प

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

- अधिवक्ता हितों के साथ गरीब व वंचितों को न्याय दिलाने पर जोर
- अध्यक्ष, महामंत्री समेत पदाधिकारियों का किया गया सम्मान

बिल्हौर (कानपुर नगर)। बिल्हौर तहसील में अधिवक्ताओं के नवगठित संगठन एकीकृत एडवोकेट बार एसोसिएशन ने नववर्ष के अवसर पर अपनी पहली औपचारिक बैठक आयोजित कर संगठन की भावी कार्ययोजना और रूपरेखा तय की। बैठक संगठन के मुख्य संरक्षक अनिल अग्निहोत्री द्वारा अपने चेंबर पर बुलाई गई।

उल्लेखनीय है कि बिल्हौर तहसील में यह संगठन बिल्हौर बार एसोसिएशन और द लॉयर्स एसोसिएशन के बाद अधिवक्ताओं का तीसरा संगठन है। बैठक के दौरान संगठन को सशक्त बनाने, अधिवक्ताओं के अधिकारों की रक्षा, आपसी एकता को मजबूत करने तथा न्यायिक कार्यों में सहयोग की भावना विकसित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्य संरक्षक अनिल अग्निहोत्री ने कहा कि एकीकृत एडवोकेट बार एसोसिएशन अधिवक्ताओं की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाएगा। साथ ही संगठन अधिवक्ता हितों के साथ-साथ गरीब एवं जरूरतमंद जनता को न्याय दिलाने के लिए भी सक्रिय भूमिका निभाएगा। बैठक के दौरान संगठन के अध्यक्ष विनीत गुप्ता, महामंत्री अनुराग द्विवेदी, उपाध्यक्ष योगेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह एवं मीडिया प्रभारी आशीष सहित अन्य पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों को फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सदस्यों का मुंह मीठा कराते हुए नववर्ष की शुभकामनाएं दी गईं।अंत में उपस्थित अधिवक्ताओं ने संगठन को मजबूती प्रदान करने और अधिवक्ता समाज के हित में एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

ओएफसी में हाइड्रोलिक पाइप फटने से लगी आग, बड़ी दुर्घटना टली

शेल फोर्ज प्लांट में दोपहर 3 बजे हुआ हादसा, फैक्ट्री की चार दमकल गाड़ियों ने डेढ़ घंटे में बुझाई आग

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। अर्मापुर स्थित आर्डिनेंस फैक्ट्री (ओएफसी) में साल के पहले ही दिन बड़ा हादसा टल गया। गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे शेल फोर्ज प्लांट में हाइड्रोलिक ऑयल की पाइप लाइन अचानक फट गई, जिससे जोरदार आग भड़क उठी। यह हाइड्रोलिक ऑयल तोप के गोलों के खोखे तैयार करने वाली भारी मशीनों को उच्च दबाव पर चलाने में इस्तेमाल होता है।हालात गंभीर होने से पहले ही फैक्ट्री परिसर में मौजूद दमकल विभाग ने त्वरित कार्रवाई की।

चार फायर टेंडर की मदद से करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। शाम 4:30 बजे के बाद प्लांट की स्थिति सामान्य हो सकी। कर्मचारियों का कहना है कि यह आग बड़े विस्फोट और भारी नुकसान का कारण बन सकती थी, हालांकि अधिकारियों ने जान-माल के नुकसान से इनकार किया है।रक्षा मंत्रालय के अधीन डीपीएसयू एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड की इस फैक्ट्री में धनुष, पिनाक और बोफोर्स जैसे तोपों के लिए 105 और 125 मिमी के शेल बनाए जाते हैं।

ओएफसी के संयुक्त महाप्रबंधक सुधीर यादव ने बताया कि आग छोटी घटना थी और त्वरित कार्रवाई से पूरी तरह नियंत्रित कर ली गई। एहतियातन बाहरी दमकल विभाग को भी सूचित किया गया था।इस बीच कर्मचारियों ने बड़ा खुलासा किया कि मौजूदा शेल फोर्ज प्लांट अपनी मियाद पूरी कर चुका है और इसी कारण दुर्घटना का खतरा बढ़ा हुआ है। वर्ष 2024 से नया फोर्जिंग शेल प्लांट बनने की योजना थी, जो नवंबर 2025 तक तैयार होना था, लेकिन काम शुरू नहीं हो सका है। नया प्लांट शुरू होने पर 155 मिमी के शेल तैयार होंगे और ओएफसी की नागपुर स्थित फैक्ट्री पर निर्भरता खत्म हो जाएगी।

48 क्वार्टर देशी अवैध शराब समेत दो गिरफ्तार

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय के निर्देशन में जनपद कानपुर देहात में अपराध नियंत्रण की दिशा में भोगनीपुर पुलिस ने दो अलग अलग आरोपियों के कब्जे से 48 क्वार्टर देशी अवैध शराब बरामद कर उनके विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही की है।

आरोपियों की पहचान भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के लंगड़ेपुरवा निवासी अरविंद कुमार तथा डींग निवासी दिलीप कुमार के रूप में हुई है।प्रभारी निरीक्षक अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई है।

भीषण शीतलहर में भी एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय की जनसुनवाई जारी

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। प्रदेश में लगातार गिरते तापमान और भीषण शीतलहर के चलते जनजीवन प्रभावित है। सुबह से ही जनपद घने कोहरे की चादर में लिपटा रहा और लोग ठंड से बचाव के लिए घरों में रजाई व कंबलों में दुबके नजर आए। ऐसे कठिन मौसम में भी पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय आमजन की समस्याओं के प्रति पूरी तरह संवेदनशील और सक्रिय दिखाई दीं।

शुक्रवार को हाड़कपाऊ ठंड के बावजूद पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने शासन द्वारा निर्धारित समय पर कार्यालय में जनसुनवाई प्रारंभ की। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे पीड़ितों की समस्याओं को उन्होंने गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित व प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट रूप से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक शिकायत की तत्काल, निष्पक्ष और न्यायोचित जांच कर विधिक एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों से अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे फरियादियों ने पुलिस अधीक्षक की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कठिन मौसम में भी जनसुनवाई कर आमजन को राहत देना सराहनीय पहल है।

तमंचे के साथ पुलिस के हत्थे चढ़ा युवक

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। भोगनीपुर थाना पुलिस ने अवैध तमंचा लेकर जा रहे शातिर को मोहम्मदपुर की ओर जाते समय तमंचे समेत दबोच लिया। गिरफ्तार किए गए ग्राम पिलखिनी निवासी बब्लू के कब्जे से 1 देशी तमंचा 315 बोर व 2 अदद जिन्दा कारतूस बरामद किए गए। बब्लू के विरुद्ध पहले से ही थाना भोगनीपुर में 10 मुकदमे दर्ज हैं। वहीं रसूलाबाद पुलिस ने 100 देशी क्वार्टर के साथ महेंद्र कुमार निवासी भैसायांको गिरफ्तार किया। चौकी प्रभारी असालतगंज मिलन सिरोही ने अवैध शराब बरामद की।

पांच ग्राम पंचायतों में 38.53 लाख का मनमाना भुगतान

कानपुर। की पांच ग्राम पंचायतों में सचिवालय के बजाय बाहरी कंप्यूटरों से 38.53 लाख का भुगतान किया गया। निदेशालय ने आईपी एड्रेस की मॉनिटरिंग के जरिए यह चोरी पकड़ी और दोषी सचिवों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

कानपुर में ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों के भुगतान में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। शासन के सख्त निर्देशों के बावजूद जिले की पांच ग्राम पंचायतों में 38.537 लाख रुपये का भुगतान गेट वे पोर्टल से न करके बाहरी कंप्यूटर से कर दिया। निदेशालय स्तर से जब पोर्टल की मॉनीटरिंग हुई तो खामियां पकड़ी गईं। मामले को गंभीरता से लेते हुए पंचायती राज निदेशक ने सभी डीपीआरओ से जवाब-तलब करते हुए दोषी ग्राम पंचायत सचिवों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। इस तरह के भुगतान में मंडल की 19 ग्राम पंचायतों की चोरी भी पकड़ी गई है।

पंचायती राज विभाग ने फर्जीवाड़े पर लगाम लगाने के लिए वर्ष 2022 से 15वें वित्त आयोग और राज्य वित्त आयोग की धनराशि से होने वाले कार्यों का भुगतान गेट-वे पोर्टल से करने के निर्देश दिए थे। कानपुर में 590 ग्राम पंचायतें हैं जिसमें 585 ग्राम पंचायतों में गेट वे पोर्टल से भुगतान हो रहा है। वहीं, पांच ग्राम पंचायतों (घाटमपुर ब्लॉक की बेंदा, हथेरूआ, सरसौल ब्लॉक की बारा गांव, तिवारीपुर सलेमपुर, खुजाओली) में नियमों का पालन नहीं किया गया। अगस्त माह से लेकर दिसंबर माह तक इन ग्राम पंचायतों में 38.53 लाख रुपये का गेट पोर्टल से भुगतान ही नहीं किया गया।

हाईटेक नर्सरी में गर्मी की पौध तैयार करायें किसान: जिला उद्यान अधिकारी

» रोग रहित और स्वस्थ पौध से किसानों की आमदनी बढ़ाने पर जोर

» विकास खंड मलासा के डीग गांव के निकट बनी है नर्सरी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिला उद्यान अधिकारी डॉ0बल्देव प्रसाद द्वारा विकास खण्ड मलासा के ग्राम डीग में बीज प्रक्षेत्र चन्द्रशेखर आजाद कृषि विश्व विद्यालय, कानपुर परिसर में स्थापित हाईटेक नर्सरी का निरीक्षण किया गया। जिसमें कलश, वापना, वी0एन0आर0, नामधारी आदि कम्पनियों के संकर बीज की बुआई कार्यदायी संस्था तथा उद्यान विभाग के तकनीकी सहयोग से मों भगवती स्वंय सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। पौधशाला में गर्मी में उगायी जाने वाली सब्जियों जैसे लौकी, तरोई, करेला, खीरा, कद्दू, खरबूज, तरबूज, मिर्च, टमाटर आदि की पौध डाली जा रही है।

जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि ये पौध 20 से 25 दिन में तैयार होकर बिक्री के योग कृषकों एवं जनसामान्य लोगों के मध्य तैयार होगी। जिला उद्यान अधिकारी द्वारा कृषकों से अपील की गयी है कि प्रति ईकाई अधिक लाभ हेतु हाईटेक नर्सरी में उत्पादित उन्नति, स्वस्थ व रोग रहित पौध के रोपण से कृषकों की आमदनी में गुणात्मक वृद्धि होगी।

उन्होंने बताया कि एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत शाकभाजी योजना के लाभार्थियों को हाईटेक नर्सरी में पौध तैयार करने हेतु प्रेरित किया जा रहा है तथा उच्च गुणवत्ता पौध के साथ-साथ उत्कृष्ट लाभार्थियों को प्लास्टिक मल्चिंक व घेरवार हेतु अनुमन्य सहायता भी उपलब्ध करायी जायेगी ताकि हाई वैल्यू सब्जियों का प्रचलन जनपद में शुरू किया जा सके। वर्तमान में हाईटेक नर्सरी में लगभग 75000 पौध हेतु बुआई की जा चुकी है जनपद

के कृषकों के साथ निकटवर्ती जनपद के कृषकों से प्राप्त बीज की बुआई आगामी 10 दिवस में पूर्ण कर 75 हजार पौध की बुआई का प्रयास किया

जा रहा है।जिला उद्यान अधिकारी ने बागवानी फसलों के निर्यात को प्रोत्साहन करने हेतु शाकभाजी की उन्नति खेती करने वाले कृषकों को यूपीएसएचईबी योजनान्तर्गत हार्टीनेट के माध्यम से औद्यानिक निर्यात को बढ़ावा देने हेतु एपेडा की साइट में पंजीकरण कराने हेतु किसानों को कार्यालय में अपना पंजीकरण करने की अपील की है। अधिक जानकारी हेतु मोबाइल न0-9121066898 एवं 6392626116 पर सम्पर्क कर किया जा सकता है।

शराब और डीजे को लेकर विवाद में शादी के 20 दिन बाद युवक ने की आत्महत्या

13 दिसंबर को ही हुई थी शादी, नए साल के जश्न को लेकर पत्नी से हुआ था झगड़ा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। थाना क्षेत्र के रायपुर में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहाँ महज 20 दिन पहले दूल्हा बने एक युवक ने फंदे से लटककर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और फॉरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य संकलित किए हैं।

गजनेर थाना क्षेत्र के विलसरांया निवासी शिववीर सिंह अपने बेटे विनय सिंह और बहू पूजा के साथ रायपुर में किराए के मकान में रह रहे थे। विनय की शादी बीते 13 दिसंबर को ही पूजा के साथ हुई थी। जानकारी के अनुसार, बुधवार की रात विनय नए साल के उपलक्ष्य में शराब पीने और डीजे लगाने की जिद कर रहा था। पत्नी पूजा ने इसका विरोध किया, जिसके चलते दोनों के बीच काफी कहासुनी और झगड़ा हुआ। इसके बाद दोनों अपने कमरे में सोने चले गए। सुबह करीब 5 बजे जब पूजा की आंख खुली तो उसने पति विनय का शव कपड़े की रस्सी के सहारे फंदे से लटका देखा। पूजा के चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर पिता शिववीर और मकान के अन्य किराएदार मौके पर जमा हो गए। आनन-फानन में घटना की सूचना रनिया पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंचे इंस्पेक्टर रनिया एस एन सिंह और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

इस संबंध में रानियां इंस्पेक्टर शिव नारायण ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, जिसका कारण पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है। परिजनों की ओर से तहरीर मिलने के बाद आगे की विधिक कार्यवाही की जाएगी।

कड़ाके की ठंड में 100 से अधिक असहाय जरूरतमंदों को बांटी रजाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकासखंड सरवनखेड़ा के कस्बा गजनेर में ग्राम प्रधान अनीशा बेगम ने पति मो फिरोज के साथ मिलकर अपने निजी खर्चे से एक जनवरी को जरूरतमंदों के बीच रजाई वितरित किया । इस पहल के तहत 100 से अधिक लोगों को रजाई प्रदान कि गई।

रजाई वितरण का उद्देश्य ठंड से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाना था। लाभार्थियों में बुजुर्ग, असहाय और विधवाएं शामिल थीं, जिन्हें विशेष रूप से लक्षित किया गया। पिछले साल भी ग्राम प्रधान पति मो फिरोज द्वारा 120 लोगों को कम्बल व रजाई वितरित किया गया था द्य इस अवसर पर प्रधान पति मो फिरोज ने कहा कि कंबल, रजाई वितरण एक पुनीत कार्य है और जरूरतमंदों की सेवा करना एक अच्छा कार्य है। यहां राम सिंह नागर, राजपूत संखवार, केशकली , कमला देवी, राजोल , रामकली , भूरी देवी, भगोती दिवाकर, रामवीर सिंह, गंगाधर संखवार, राजू साहू , मुबीन, संगीता , शबाना , मुबीना , आरती सक्सेना, मीना सोनकर, साधना , जंटर नागर, विनोद नागर, रामबाबू, धरती धमक वाल्मीकि सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 । **Email:** swarajindia2023@gmail.com । **Mob:** 7800009853, । **Website:** www.swarajindianews.com । (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने राजपुर को दी विकास परियोजनाओं की सौगात

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, देश की अर्थव्यवस्था दुनिया में चौथे स्थान पर पहुंची

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। नए साल के पहले दिन उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कानपुर देहात का दौरा किया । वे यहां की तहसील सिकन्दरा के अंतर्गत राजपुर नगर पंचायत में आयोजित एक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र को कई विकास परियोजनाओं की सौगात दी और ठंड से बचाव के लिए गरीबों को राहत सामग्री वितरित की। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान और राज्यमंत्री अजीत सिंह पाल आदि मौजूद रहे।

विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

केशव प्रसाद मौर्य ने राजपुर नगर पंचायत में सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं के तहत हुए कार्यों का लोकार्पण किया। इनमें मुख्य रूप से पंडित दीनदयाल आदर्श नगर पंचायत योजना,

मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना, अमृत-2 योजना और वंदन योजना शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने अमृत सरोवर का शिलान्यास भी किया, जो जल संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा। इन परियोजनाओं से नगर पंचायत के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और स्थानीय निवासियों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने गरीब और निराश्रित लोगों को कंबल वितरित किए। उन्होंने प्रशासन को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि ठंड के कारण किसी भी व्यक्ति को परेशानी का सामना न करना पड़े। राहत सामग्री पाकर लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी देखी गई।

सबका साथ, सबका विकास पर जोर

जनसभा को संबोधित करते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मूल मंत्र के साथ काम कर रही है। आज सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक बिना किसी भेदभाव के पहुंच रहा है। उन्होंने देश की आर्थिक प्रगति का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था आज विश्व में चौथे स्थान पर पहुंच चुकी है, जो सरकार की मजबूत और दूरदर्शी नीतियों का परिणाम है। संबोधन के दौरान उप मुख्यमंत्री ने देश की एकता और अखंडता के प्रतीक सरदार वल्लभभाई पटेल को याद किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के आदर्श और उनका योगदान हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की अपील

कार्यक्रम के अंत में केशव प्रसाद मौर्य ने सभी क्षेत्रवासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कामना की कि आने वाला वर्ष सभी के लिए सुख और समृद्धि लेकर आए। साथ ही, उन्होंने लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत बनाने के लिए नागरिकों से जागरूक रहने और मतदाता सूची में अपना नाम अनिवार्य रूप से जुड़वाने की अपील की।

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान और राज्यमंत्री अजीत सिंह पाल ने भी लोगों को संबोधित किया और नए साल की बधाई दी। इस मौके पर प्रकाश पाल क्षेत्रीय अध्यक्ष, रेणुका सचान जिला अध्यक्ष भाजपा, अविनाश सिंह चौहान, राजपुर नगर पंचायत चेयरमैन अंशु त्रिपाठी, देवेश सिंह, ईओ नीति त्रिपाठी, आदि और अधिकारी गण कर्मचारी नगर पंचायत आदि लोग उपस्थित रहे।

कड़ाके की सर्दी में चाय और खीर का किया वितरण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। लगातार कड़ाके की ठंड में राहत के लिए समाजसेवी अलाव जलवाने व चाय का वितरण भी कर रहे हैं। वहीं रसूलाबाद कस्बे के सब्जी मंडी बाजार के निकट स्थानीय लोगों द्वारा खीर का वितरण कराया गया। वहीं कई जगहों पर चाय भी वितरित की गई। खीर वितरित करते हुए ओमप्रकाश मिश्रा ने बताया कि नए साल का आगाज हुआ है। वहीं ठंड में सभी अपने घरों से देर से निकलते हैं। इसको लेकर उन्होंने स्टॉल लगाकर लोगों को खीर खिलाई और नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों व राहगीरों ने खीर का आनंद लिया ।

गजनेर व्यापार मंडल ने वृद्धाश्रम को दी 1.27 लाख रुपये की सेवार्थ राशि

» सेवा, संवेदना और संस्कार का संदेश

» नववर्ष पर गजनेर व्यापार मंडल ने वृद्ध सेवा आश्रम में बांटी खुशियां

सचिन सिंह चौहान/ स्वराज इंडिया

कानपुर देहात माती। ब्लाक सरवनखेड़ा क्षेत्र के गजनेर कस्बा में नववर्ष के शुभारंभ पर सामाजिक दायित्व और मानवीय संवेदनाओं को केंद्र में रखते हुए गजनेर व्यापार मंडल ने एक ऐसी मिसाल पेश की, जो जिले भर में चर्चा का विषय बनी हुई है। व्यापार मंडल अध्यक्ष नीरज गुप्ता के नेतृत्व में पदाधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल वृद्ध सेवा आश्रम पहुंचा, जहां आश्रम प्रबंधन को ?1,27,000 रुपये की सेवार्थ धनराशि भेंट कर बुजुर्गों के प्रति सम्मान, करुणा और कृतज्ञता का भाव प्रकट किया गया।

आश्रम पहुंचने पर आश्रम प्रबंधक एस.डी. काला ने व्यापार मंडल अध्यक्ष व सभी पदाधिकारियों का आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान सेवाकर्मी ऋषभ तिवारी एवं रामजी दुबे की मौजूदगी में सेवार्थ धनराशि आश्रम को सौंपी गई। अध्यक्ष नीरज गुप्ता ने कहा कि "समाज की असली पूंजी हमारे बुजुर्ग हैं। उनके अनुभव, त्याग और आशीर्वाद से ही समाज सशक्त होता है। व्यापार मंडल केवल व्यापार तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकारों में भी अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है।वृद्धाश्रम में उपस्थित बुजुर्गों से मिलकर अध्यक्ष व पदाधिकारियों ने उनके स्वास्थ्य, खान पान एवं रहन-सहन की जानकारी ली। सभी बुजुर्गों को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। व्यापार मंडल के इस स्नेहपूर्ण व्यवहार से बुजुर्ग भावुक हो उठे और उन्होंने संगठन की दीर्घायु व उन्नति की कामना की।

वृद्ध आश्रम में चेक देते हुए व्यापार मंडल अध्यक्ष नीरज गुप्ता

इस अवसर पर व्यापार मंडल के महामंत्री दीपू परिहार, कोषाध्यक्ष राजेश सचान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बाल मुकुंद शुक्ल, अरुण मिश्रा, रामू शुक्ला (रनिया) सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि आगे भी जरूरतमंदों, बुजुर्गों और समाज के कमजोर वर्गों के लिए ऐसे सेवा कार्य निरंतर किए जाएंगे।गजनेर व्यापार मंडल की यह पहल न केवल समाज के प्रति उसकी संवेदनशील सोच को दर्शाती है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि संगठित प्रयासों से मानवीय मूल्यों को जीवंत रखा जा सकता है। नववर्ष पर किया गया यह सेवा कार्य जिले में सकारात्मक सोच और सामाजिक सहभागिता का प्रेरणास्रोत बन गया है।

कोडीन सीरप मामला: पुलिस ने पकड़ा अवैध कारोबार का जाल

» लखनऊ, बाराबंकी, गोरखपुर समेत कई राज्यों में जांच, 30 पुलिस टीमें सत्यापन में जुटीं

» एफएसडीए की कार्रवाई में खुली पोल, कई फर्में मिलीं फर्जी, कई आरोपित चिन्हित

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। कोडीनयुक्त कफ सीरप और नशीली दवाओं की अवैध खरीद-बिक्री का बड़ा नेटवर्क सामने आया है। कलक्टरगंज और रायपुरवा थानेऊ में दर्ज मामलों की जांच में पुलिस को 150 से अधिक संदिग्ध फर्मों का पता चला है। इन फर्मों के जरिए बड़े पैमाने पर नशे से जुड़ी दवाओं का अवैध कारोबार किया जा रहा था।जांच के बाद प्रदेश के लखनऊ, बाराबंकी, गोरखपुर के साथ पंजाब, हरियाणा, बिहार, झारखंड और दिल्ली के विभिन्न जिलों में सत्यापन के लिए 30 पुलिस टीमें भेजी गई हैं।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने अक्टूबर में कार्रवाई करते हुए चार फर्मों के खिलाफ जांच की थी, जिसके आधार पर औषधि निरीक्षक ओमपाल सिंह की तहरीर पर चार मुकदमे कलक्टरगंज थाने में दर्ज हुए। इनमें विनोद अग्रवाल, उनका बेटा शिवम, अनमोल गुप्ता, मंजू शर्मा, अभिषेक शर्मा और वेद प्रकाश शिवहरे के नाम सामने आए। वहीं रायपुरवा थाने में दर्ज मुकदमे में सुमित केसरवानी आरोपित बनाया गया था।पूछताछ और दस्तावेजों की जांच के बाद सामने आया कि इन मामलों से जुड़ी 150 से अधिक फर्मों में भारी गड़बड़ी है, जिनमें से लगभग आधी फर्जी पाई गई हैं। पुलिस और औषधि विभाग अब इस नेटवर्क से जुड़े सभी लोगों पर शिकंजा कसने की तैयारी में जुट गया है।

दहेज में कार मांगने का आरोप लगाकर तोड़ी शादी, प्रेमी से रचाया विवाह

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

बाराबंकी। हैदरगढ़ क्षेत्र में दहेज की मांग का एक मामला सामने आया, जहां स्विफ्ट कार की मांग पूरी न होने पर शादी टूट गई और बारात मंडप से ही वापस लौट गई। हालांकि इस घटना के बाद एक भावुक मोड़ आया, जब लड़की के प्रेमी ने उसी मंडप में उससे विवाह कर उसके पिता की इज्जत बचाई।

हैदरगढ़ क्षेत्र की रहने वाली मोहिनी की शादी विकास सोनी से तय हुई थी। शादी के सभी कार्यक्रम रात भर शांतिपूर्वक और अच्छे माहौल में संपन्न हुए। सुबह के समय अचानक दूल्हे ने स्विफ्ट कार की मांग रख दी। लड़की के पिता ने हाथ जोड़कर दो से तीन महीने का समय मांगा और कार देने का भरोसा दिलाया, लेकिन लड़के पक्ष ने उनकी एक न सुनी और नाराज होकर बिना विवाह किए ही बारात वापस ले गए।

इस घटना से लड़की के पिता बेहद आहत और उदास हो गए। पिता की हालत देख मोहिनी ने अपने प्रेमी शिवांश सोनी को फोन कर पूरी घटना की जानकारी दी और उससे कहा कि अगर वह उससे सच्चा प्यार करता है तो आज ही उससे शादी करे, क्योंकि यह उसके पिता की इज्जत का सवाल है।

शिवांश अपने घर का इकलौता बेटा है। उसने घर पहुंचकर अपने माता-पिता को पूरी बात बताई। पिता ने शुरुआत में इस विवाह से इनकार कर दिया, लेकिन मां ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए सहमति दे दी। इसके बाद शिवांश ने उसी मंडप में पहुंचकर मोहिनी से विवाह कर लिया।

इस तरह जहां एक ओर दहेज की मांग ने एक शादी तोड़ दी, वहीं दूसरी ओर प्रेम और समझदारी ने एक पिता की इज्जत बचा ली और एक मां को अच्छी बहू मिल गई। यह घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

प्रेमी से शादी की जिद में युवती चढ़ी टावर पर, 3 घंटे तक चला ड्रामा

परिवार के विरोध से नाराज युवती ने दी जान देने की धमकी, भीड़ जुटी तो मौके पर पहुंची पुलिस

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

प्रयागराज। मऊआइमा क्षेत्र से नए साल के पहले दिन एक सनसनीखेज मामला सामने आया, जहां एक युवती प्रेमी से शादी न होने पर हाई वोल्टेज बिजली के टावर पर चढ़ गई और जान देने की धमकी देने लगी।

बालाडीह गांव की यह युवती गांव के ही युवक राजकुमार से प्रेम करती थी, लेकिन परिवार शादी के खिलाफ थे।

इंटर पास युवती और ग्रेजुएट युवक के प्रेम-प्रसंग के बीच बाधा बनने पर युवती गुरुवार सुबह टावर पर चढ़ गई।

देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण खेतों में जमा हो गए। सूचना पर पुलिस पहुंची और परिजनों को बुलाकर लगातार उसे समझाने का प्रयास किया गया। करीब तीन घंटे बाद जब शादी कराने का आश्वासन मिला तो युवती नीचे उतर आई। स्थानीय लोगों के अनुसार, पुलिस की मौजूदगी में दोनों परिवार शादी के लिए सहमत हो गए। थाना प्रभारी पंकज अवस्थी ने बताया कि दोनों पक्ष आपसी सहमति के बाद घर लौट गए हैं।

एक सप्ताह पूर्व मेरठ में भी घटी थी ऐसी घटना

मेरठ में भी 26 दिसंबर को ऐसा ही मामला सामने आया था। यहां दौराला थाना क्षेत्र में प्रेमी से शादी की जिद पर युवती बिजली टॉवर पर चढ़ गई थी और छलांग लगाने की धमकी देने लगी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर प्रेमी को बुलाया। बातचीत के बाद प्रेमी ने शादी का वादा किया तो युवती नीचे उतरी।

पंचर की दुकान की आड़ में 'कत्लखाना'

आस्था की नगरी में 'मौत का कारोबार

» अयोध्या में अवैध अबॉर्शन सेंटर और झोलाछाप डॉक्टरों का फैला जाल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। प्रभु श्रीराम की पावन नगरी जहां जीवन, संस्कार और मर्यादा की पूजा होती है, उसी धरती पर स्वास्थ्य सेवाओं की आड़ में अवैध अबॉर्शन का काला कारोबार फल-फूल रहा है। ग्रामीण से लेकर शहरी इलाकों तक झोलाछाप डॉक्टरों का जाल फैल चुका है, जो न केवल कानून को ठेंगा दिखा रहा है, बल्कि मानवता को भी शर्मसार कर रहा है।

सीडहिर चौराहाङ्कसरियावा से सुचिता गंज कनेक्टिंग मार्ग पर एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। आरोप है कि यहां एक व्यक्ति पंचर की दुकान की आड़ में अवैध गर्भपात केंद्र चला रहा है। बाहर से साधारण दुकान, भीतर अजन्मे बच्चों की जिंदगी का सौदा यह तस्वीर अयोध्या की अंतरात्मा को झकझोर देती है। सूत्र बताते हैं कि यह अकेला मामला नहीं। जिलेभर में दलालों का संगठित नेटवर्क सक्रिय है, जिसमें कुछ स्थानीय पैथोलॉजी संचालक और तथाकथित डॉक्टर कमीशन के लालच में मजबूर महिलाओं को इन 'मौत के केंद्रों' तक पहुंचाते हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतने खुलेआम चल रहे अवैध केंद्रों पर स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की ठोस कार्रवाई क्यों नहीं? सीएमओ सुशील कुमार के दावों के बावजूद जमीन पर असर नजर नहीं आता। क्या निचले स्तर पर मिलीभगत है? क्या पंचर की दुकान के पीछे चल रहे इस अवैध धंधे की जानकारी पुलिस और स्वास्थ्य टीम को नहीं?

मातृ-शिशु स्वास्थ्य पर सीधा हमला

बिना डिग्री, बिना मानकों के किए जा रहे असुरक्षित गर्भपात महिलाओं की जान के लिए भी बड़ा खतरा हैं। यह किसी बड़े हादसे का इंतजार है जिसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? स्थानीय लोगो का कहना है कि जहां बाल रूप राम की पूजा होती है, वहां मासूमों की हत्या बर्दाश्त नहीं। प्रशासन को तत्काल सख्त कार्रवाई करनी होगी।

रामाय सेवा ट्रस्ट के सेवा संगम में असहायों को बांटे गए कंबल

शिव दयाल जायसवाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में किया गया आयोजन

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। शिव दयाल जायसवाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में सेवा संगम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन रामाय सेवा ट्रस्ट द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय एवं बास्केटबॉल के राष्ट्रीय कोच चंदेश्वर पांडेय की उपस्थिति में बड़ी संख्या में असहाय और जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए गए।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सरयू मंदिर के पुजारी नेत्रजा मिश्र, प्रधानाचार्य अवनि कुमार शुक्ला, पार्षद अनुज दास, संजय पांडेय सहित अन्य गणमान्य लोगों ने जरूरतमंदों को कंबल अर्पित कर उनका आशीर्वाद लिया। पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने भी जनता का आशीर्वाद लेकर निरंतर जनसेवा का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर बुजुर्गों, बच्चों के साथ बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रही। राष्ट्रीय कोच चंदेश्वर पांडेय ने समाज सेवा की निरंतरता बनाए रखने के लिए पूर्व महापौर की सराहना की और उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। प्रधानाचार्य अवनि कुमार शुक्ला ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में सेवा भावना को बढ़ावा मिलता है और अन्य लोग भी प्रेरित होते हैं।

कैफियत एक्सप्रेस में टीटीई ने की महिला यात्री व परिजनों से अभद्रता, मारपीट

मोबाइल व सोने की अंगूठी छीने जाने का आरोप

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। दिल्ली से आजमगढ़ जा रही डाउन कैफियत एक्सप्रेस में गुरुवार को टीटीई व उनके सहयोगियों द्वारा टिकट चेकिंग के दौरान महिला यात्री और उसके परिजनों से अभद्रता व मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता संध्या तिवारी ने आरोप लगाया कि जनरल टिकट को लेकर 1200 रुपये की मांग पर विवाद हुआ, जिसके बाद गाली-गलौज और मारपीट की गई। इस दौरान उनका मोबाइल फोन और सोने की अंगूठी भी छीन ली गई, वहीं हाथ में फैक्चर सहित परिजनों को भी चोटें आईं।

सूचना पर पीआरबी पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ितों को गोसाईगंज सीएचसी भेजा गया। पीड़िता ने गोसाईगंज रेलवे स्टेशन की शिकायत पुस्तिका में मामला दर्ज कराया। स्टेशन अधीक्षक महेंद्र नाथ मिश्रा ने उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कुलदीप तिवारी ने एफआईआर के निर्देश दिए हैं। जीआरपी प्रभारी अकबरपुर अभिषेक मिश्रा के अनुसार संबंधित टीटीई व स्टाफ को बुलाया गया है, मामले की जांच जारी है।

कांग्रेस सरकार के सर्वे ने बदली बहस

कर्नाटक में 84% जनता को ईवीएम पर भरोसा

राहुल गांधी के 'वोट चोरी' आरोप पर भाजपा ने कहा, सर्वे ने खोल दी पोल

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बेंगलुरु। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा कराए गए आधिकारिक सर्वे के नतीजों ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर चल रही राष्ट्रीय बहस का रुख बदल दिया है। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी वी. अनबु कुमार द्वारा कराए गए इस सर्वे में 102 विधानसभा क्षेत्रों के 5,100 मतदाताओं की राय ली गई। इसमें 83.61 फीसदी लोगों ने ईवीएम को पूरी तरह भरोसेमंद बताया। 69.39 फीसदी मतदाताओं ने कहा कि मशीनें सटीक परिणाम देती हैं, जबकि 14.22 फीसदी ने इस दावे पर 'पूर्ण सहमति' जताई। सर्वे के अनुसार

102
विधानसभा क्षेत्रों के 5,100 मतदाताओं की राय ली गई

कलबुर्गी में 94.48 फीसदी, मैसूर में 88.59 फीसदी और बेंगलुरु में 63.67 फीसदी लोगों ने ईवीएम के पक्ष में भरोसा व्यक्त किया।

सर्वे रिपोर्ट सामने आते ही भाजपा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। कर्नाटक सरकार में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि राहुल गांधी लगातार ईवीएम पर सवाल उठाते रहे हैं, लेकिन उनकी अपनी सरकार का सर्वे कांग्रेस के दावों के विपरीत सच बयां कर रहा है।

भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस जीतने पर सिस्टम की तारीफ और हारने पर संस्थाओं को कटघरे में खड़ा करती है। यह सर्वे ऐसे समय में सामने आया है जब सिद्धारमैया सरकार स्थानीय निकाय चुनाव बैलेट पेपर से कराने की तैयारी कर रही है। सरकार का कहना है कि जनता का ईवीएम से भरोसा घट रहा है, जबकि भाजपा ने इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था को पीछे धकेलने का प्रयास बताया और कहा कि बैलेट पेपर की वापसी गड़बड़ी और देरी का रास्ता खोल सकती है।

'बाटी-चोखा' के बहाने सपा का भाजपा पर तीखा राजनीतिक तंज

मुख्य संवाददाता/स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में 'स्वाद' के जरिए 'सियासत' का नया खेल शुरू हो गया है। नए साल के पहले दिन समाजवादी पार्टी के मुख्यालय पर आयोजित 'बाटी-चोखा' के बड़े भोज ने चर्चाओं का नया दौर छेड़ दिया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस मौके पर कहा कि बाटी-चोखा प्रदेश की संस्कृति और मेलजोल का प्रतीक है, इसे राजनीति और जातिगत झगड़ों में नहीं घसीटना चाहिए। भाजपा के उन ब्राह्मण विधायकों और एमएलसी का मुद्दा उठाते हुए,

- **सपा मुख्यालय में भोज, अखिलेश बोले परंपराओं पर जातिगत बंदिश गलत**
- **भाजपा के भीतर ब्राह्मण नाराजगी पर निशाना, सपा ने दिया समर्थन का संकेत**

जिन्हें अपनी ही पार्टी से दावत में शामिल होने की चेतावनी मिली थी, अखिलेश ने परोक्ष रूप से भाजपा नेतृत्व पर कटाक्ष साधा।

पूर्वांचल से ब्राह्मण समीकरण पर सटीक वार

- सियासी जानकार मानते हैं कि यह भोज सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि राजनीतिक संदेश था। भाजपा के भीतर असंतुष्ट ब्राह्मण नेताओं के प्रति सहानुभूति जताकर सपा ने उन्हें अपने पाले में खींचने की रणनीति दिखाई। साथ ही बाटी-चोखा पूर्वी यूपी की पहचान है, जिसे आगे रखकर सपा ने खुद को जनता की संस्कृति के करीब तो दिखाया ही, साथ ही भाजपा को कठोर और प्रतिबंधात्मक राजनीति का प्रतीक बताने की कोशिश भी की।

जहरीले पानी से लोगों की मौत होना व्यवस्था पर कलंक: उमा भारती

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

भोपाल। इंदौर में दूषित पानी से कई लोगों की मौत के बाद मध्य प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने अपनी ही सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए इस त्रासदी को प्रदेश और सरकार के लिए शर्मनाक बताया है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता में देशभर में अव्वल रहने वाले शहर में गंदे और जहरीले पानी से लोगों की मौत होना व्यवस्था की घोर विफलता है। एक्स (ट्विटर) पर जारी बयान में उमा भारती ने लिखा कि यह घटना न सिर्फ

सरकार बल्कि पूरे प्रदेश के लिए कलंक की तरह है, क्योंकि मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है।उमा भारती ने राज्य सरकार द्वारा घोषित

- **पूर्व सीएम उमा भारती ने घटना को प्रदेश और सरकार के लिए बताया शर्मनाक**

2 लाख रुपये के मुआवजे को भी नाकाफी बताते हुए कहा कि जिंदगी की कीमत इतनी नहीं हो सकती। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार को पीड़ित परिवारों से माफी मांगनी चाहिए और दोषियों को नीचे से ऊपर तक कठोरतम सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने इस घटना को मुख्यमंत्री मोहन यादव के लिए 'परीक्षा की घड़ी' बताया और उम्मीद जताई कि सरकार कठोर और संवेदनशील कदम उठाएगी।

अंकिता भंडारी हत्याकांड मे सीबीआई जांच की मांग

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

देहरादून। देशभर में महिला यौन हिंसा के खिलाफ मुखर आवाज़ बन चुकीं सामाजिक कार्यकर्ता योगिता भयाना गुरुवार को देहरादून पहुंचीं। उन्होंने अंकिता भंडारी हत्याकांड में सामने आ रहे नए तथ्यों को गंभीर बताते हुए सीबीआई जांच की मांग की है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में योगिता भयाना ने सरकार पर चुप्पी साधने का आरोप लगाते हुए कहा

- **उत्ताव रेप पीड़िता की आवाज उठाने वाली सामाजिक कार्यकर्ता ने उठाई मांग**

कि अब सरकार को अपनी चुप्पी तोड़नी होगी। समाज और मीडिया के सामने जो नए खुलासे आ रहे हैं, वे बेहद चौंकाने वाले हैं। ऐसे में निष्पक्ष जांच ही सच्चाई सामने ला सकती है।

उर्मिला सनावर की गुमशुदगी पर उठे गंभीर सवाल: योगिता भयाना ने उर्मिला सनावर की रहस्यमयी गुमशुदगी को लेकर भी गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा एक्ट्रेस उर्मिला सनावर ने अंकिता केस में कई अहम और संवेदनशील खुलासे किए थे। इसके बाद वह अचानक लापता हो गईं। उनका कोई सुराग नहीं है। उसके सोशल मीडिया अकाउंट्स भी फ्रीज कर दिए गए हैं।